गुड एवं हाट के अनुसार : यह ऐसी विधि है जो किसी सामाजिक इकाई को सम्पूर्णता देखती है।–

पी. वी. यंग के अनुसार : इसमें वैयक्तिक तथ्यों को उनके सम्पूर्ण जीवन चक्र के रूप में संकलित किया जाता है।–

3. गुणात्मक अध्ययन– वैयक्तिक अध्ययन में गुणात्मक अध्ययन किया जाता है न कि संख्यात्मक। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि इकाई के सम्बन्ध में ऑकड़ और संख्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है, निष्कर्ष भी संख्याओं में प्रकट नहीं किए जाते हैं। इसमें इकाई का जीवन–इतिहास और वर्णनात्मक उल्लेख तैयार किया जाता है।

4. गहन अध्ययन – इस पद्धति के अन्तर्गत इकाई के सम्बन्ध में सूक्ष्म एवं गहन जानकारी प्राप्त की जाती है। सम्बन्धित इकाई का अध्ययन भूतकाल से लेकर वर्तमान काल किया जाता है। इसमें धन एवं समय अधिक लगता है।

वैयक्तिक अध्ययन के प्रकार

वैयक्तिक अध्ययन निम्नलिखित दो प्रकार का होता है –

1. व्यक्ति का अध्ययन – इसके अन्तर्गत किसी व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन अथवा जीवन की किसी विशेष घटना का अध्ययन किया जाता है। व्यक्ति के परिवार के सदस्यों एवं उससे सम्बन्धित व्यक्तियों से सम्पर्क करके उसके विषय में आवश्यक सूचनाएँ संकलित की जाती हैं। इस विधि में व्यक्ति के परिवार में उसके सदस्यों, पडोस, मित्र–मण्डली, पत्र–डायरी, आत्मकथा लेख, संस्मरण एवं जीवन इतिहास आदि स्रोतों से जानकारी प्राप्त की जाती है।

2. समुदाय का वैयक्तिक अध्ययन – इसके अन्तर्गत किसी समूह, संस्था, जाति अथवा समुदाय का अध्ययन किया जाता है। इस सम्बन्ध में एक विचार उल्लेखनीय है –

वैयक्तिक अध्ययन द्वारा सम्पूर्ण समुदाय की खोज की जाती है। इसमें बौद्धिक कुशलता, अनुभव एवं सतर्कता की आवश्यकता होती है। एक समुदाय का वैयक्तिक अध्ययन उसकी आन्तरिक स्थिति का पूर्ण रूप से अध्ययन हेतु सामग्री संकलन की व्यवस्थित पद्धति है। इसके लिए उन्हीं साधनों का प्रयोग किया जाता है जो साधन एक व्यक्ति के वैयक्तिक अध्ययन के लिए प्रयुक्त किये जाते हैं।– श्रीमती पी. वी. यंग

वैयक्तिक अध्ययन की प्रक्रिया (प्रणाली)

वैयक्तिक अध्ययन की प्रक्रिया को निम्नलिखित शीर्षकों के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है –

(1) समस्या का विवरण – वैयक्तिक अध्ययन प्रक्रिया के अन्तर्गत सर्वप्रथम उस समस्या की स्पष्ट व्याख्या की जाती है जिसके बारे में सूचना एकत्र करनी होती है, तत्पश्चात् इसके सम्बन्ध में भूत एवं वर्तमान की समस्त सूचनाओं को संकलित किया जाता है। यह पूर्व में ही निर्धारण कर लिया जाता है कि समस्या के किस पक्ष की व्याख्या करनी है। इसमें निम्नलिखित बातों पर विशेष ध्यान दिया जाता है–

(I) किन व्यक्तिगत विषयों पर अध्ययन किया जाएगा ?

(ii) इकाइयों के प्रकार एवं संख्या का निर्धारण कैसे किया जाएगा ?

(iii) समस्या के किन–किन पक्षों का अध्ययन किया जाएगा ?

(2) घटनाओं का क्रम – समस्याओं की व्याख्या कर लेने के पश्चात् यह आवश्यक है कि उससे सम्बन्धित घटनाओं को व्यवस्थित क्रम में रखा जाए। तत्पश्चात् इस बात की जानकारी हासिल की जाती है कि किन अवस्थाओं में किस समय समस्या के स्वरूप में क्या–क्या परिवर्तन हुए ? घटनाओं के उच्चावचन के द्वारा भविष्य में होने वाले परिवर्तनों को समझा जा सकता है।

(3) निर्धारक कारक – इसके अन्तर्गत किसी घटना के लिए उत्तरदायी कारकों का भी निर्धारण किया जाता है। ये निम्नलिखित दो प्रकार के होते हैं –

(i) प्रमुख कारक किसी घटना के घटित होने के लिए मूल रूप से उत्तरदायी कारक प्रमुख कारक कहलाते हैं।

(ii) सहायक कारक ये प्रमुख कारकों के सहायक कारक होते हैं।

(4) विश्लेषण और निष्कर्ष – यह वैयक्तिक अध्ययन पद्धति का अन्तिम चरण है। इसके अन्तर्गत तथ्यों एवं सूचनाओं के आधार पर घटना का विश्लेषण किया जाता है तथा निष्कर्ष निकाला जाता है। प्राप्त निष्कर्षो के आधार पर ही सामान्यीकरण किया जाता है। विश्लेषण के दौरान तथ्यों का वर्गीकरण, सारणीयन एवं संकेतीकरण किया जाता है। साथ ही समस्या का निदान एवं उपचार भी किया जाता है।

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर (छ.ग.)

केस स्टडी का प्रारुप :-

मुख्य पृष्ठ

1. छात्राध्यापक का नाम:.....

2. नामांकन क्रमांक :.....

3. अध्ययन केन्द्र का नाम व पता:.....

4. विद्यालय का नाम व पता:.....

5. वि.ख. का नाम:.....

6. जिला का नाम :.....

A. सामान्य जानकारी :-

1. बालक/बालिका का नाम :.....

   उम्र..... लिंग .....

2. पता (मूल) :.....

   वर्तमान पता :.....

3. विद्यालय :.....कक्षा.....वर्ग.....

4. प्रवेश दिनांक :..... विद्यालय छोड़ने की तिथि :.....

5. पालक का नाम :..... पालक से संबंध :.....

6. मूल स्थान छोड़कर बाहर रहने का कारण :.....

   .....

B. पारिवारिक जानकारी

1. पिता का नाम : ..... उम्र :..... जाति :.....

   शिक्षा :..... व्यावसाय :.....

2. माता का नाम :..... उम्र :.....

   शिक्षा :..... व्यावसाय :.....

3. परिवार में कुल सदस्य संख्या :.....

   परिवार में बालक/बालिका का क्रम :.....

4. परिवार में अन्य शिक्षित सदस्य :.....

5. क्या माता/पिता मौसेरे है : हाँ/नहीं .....

6. परिवार की कुल आय : (समस्त श्रोतों से) वार्षिक :.....

   परिवार की आर्थिक स्थिति :..... निम्न/सामान्य/उच्च

7. माता–पिता का आपसी संबंधी :.....

8. घर में अन्य सदस्यों के साथ बाल का सम्बंध :.....

9. बालक/बालिका के जन्म के पूर्व माता का स्वास्थ्य :.....

10. क्या माता में कोई वंशानुगत बीमारी है : हाँ/नहीं बीमारी का नाम.....

11. बालक/बालिका के जन्म पर माता–पिता की प्रतिक्रिया :.....

12. बालक के पालन–पोषण पर माता/पिका ध्यान :.....

13. माता/पिता का बच्चों के प्रति व्यवहार :.....

14. अन्य विशेष (पारिवारिक) जानकारी (यदि हो पूर्ति कीजिये) : .....

.....

C. सामाजिक एवं सांस्कृति पक्ष :

1. पिता/पिता का धर्म :.....
2. माता/पिता का पड़ोसियों के साथ सम्बंध एवं अवधारणा :.....
   .....
3. यदि कोई समाज विरोधी आदत हो तो उसका विवरण :.....
   .....
4. माता/पिता को विशेष रुचि का क्षेत्र :.....
   .....
5. बालक का सामजिक सम्बंध :.....
   .....

D. बालक से सम्बन्धित :

1. बालक का स्वास्थ्य :.....
2. बालक की विकलांगता का प्रकार :.....
3. विकलांगता संबंधी विवरण : मूल्यांकन तिथि :.....
   1. मूल्यांकन में विशेषज्ञ की अनुशंसा : .....
   2. प्रदत्त उपकरण – हाँ/नहीं नाम :.....
      उपकरण प्रदान करने वाली संस्था :.....
      प्रदाय की तिथि :.....
   3. प्रदत्त उपकरण का बालक की क्षमता पर प्रभाव : .....
      .....
   4. आर्थिक सुविधा का लाभ दिया गया – हाँ/नहीं

	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21
राशि						

E. बालक बालिका की शिक्षा संबंधी समस्या :

(1) लिखने में (2) पढ़ने में (3) याद करने में (4) गणित में

(5) खेल में (6) सामूहिकता संबंधी समस्या (7) विद्यालय में नियमित उपस्थिति

8. गृह कार्य के प्रति : .....

F. शिक्षक द्वारा बालक के संबंध में समग्र अभिमत :

.....

.....

G.1 बालक की शैक्षणिक उपलब्धि :

.....

.....

1 बालक में विशेष अभिरुचि का क्षेत्र :

.....

कक्षा शिक्षक के हस्ताक्षर प्रधान पाठक के हस्ताक्षर श्रोत शिक्षक के हस्ताक्षर

H श्रोत शिक्षक/विशेष एवं अधिकारी द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन का विवरण :

दिनांक	मार्गदर्शन के बिन्दु (क्षेत्र)		दिये गये अभ्यास का प्रभाव	कक्षा शिक्षक द्वारा टिप्पणी
	शैक्षणिक	शारीरिक अभ्यास		